क्योंकि इसके लिए आधुनिक उपकरणों, रखरखाव की सुविधाओं की व्यापक उपलब्धता और उच्च स्तर की कार्य-कुशलता की जरूरत होती है ।

(च) जी नहीं । सरकार नसबंदी आपरेशन के लिए किसी एक विधि विशेष की अपेक्षा अन्य विधियों को बढ़ावा देना नहीं चाहती है । महिलाओं के आपरेशन के लिए किसी विधि विशेष को इस्तेमाल, आपरेशन करने वाले चिकित्सक की कार्य-कुशलता, उसके ज्ञान और अनुभव के साथ-साथ इस बात पर भी निर्भर करता है कि वह किस परिस्थितियों में आपरेशन करता है । सरकार सारी विधियों को उपयोगी और कारगर समझती है । वैसे और अधिक संस्थाओं को समयबद्ध रूप से कवर करने के लिए लैपरोस्कोप की विधि के प्रशिक्षण की सुविधायें दी जा रही है ।

(छ) कुछ राज्यों में लैपरोस्कोप से नसबंदी करने का काम बढ़ रहा है क्योंकि यह लोकप्रिय हो चुकी है और इसमें अस्पताल में भर्ती होने की बहुत कम या बिल्कुल भी जरूरत नहीं होती है । मिनी-लैपरोटोमी विधि में भी ये सारे लाभ होते हैं ।

Bhavnagar Tarapur line

456. SHRI NAVIN RAVANI: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether Government have received some letters, representations and proposals from Gujarat Government during 1975 to 1980 in connection with the Bhavanagar-Tarapur line as well as conversion of Bhavnagar-Surendranagar M.G. section into broad gauge line;

(b) if so, when the said lines are likely to start; and

(c) the reasons and difficulties for not starting these works.

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS AND IN THE DEPARTMENT OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI MALLIKARJUN): (a) Yes.

(b) and (c). Survey carried out in 1977 for construction of new BG line from Bhavnagar to Tarapur revealed that this 150 Kms. long line will cost about Rs. 34 crores at the then prevailing rates and would not be viable even with 100 per cent inflation in goods freight rates.

In view of the severe constraint on the resources position it will not be possible to undertake this project.

It is not proposed to take up the conversion of Bhavnagar-Surendernagar MG line into BG as the conversion of this section will isolate the remaining MG Section in Saurashtra area with the rest of the MG System in the country.

रेलवे खान-पान व्यवस्था में घाटा

457. **श्री दयाराम शाक्य :** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि खान-पान व्यवस्था करने के कार्य में रेलवे को घाटा हो रहा है ;

(ख) यदि हां, तो गत वर्ष कितना घाटा हो रहा है ; और

(ग) क्या उक्त हानि को देखते हुये सरकार का विचार फिर से इस कार्य को ठेके पर देने का है ?

रेल मंत्रालय तथा संसदीय कार्य विभाग में उपमंत्री (श्री मल्लिकार्जुन) : (क) जी नहीं ।

(ख) और (ग). प्रश्न नहीं उठता ।